एक्चुरियल साइंस में करियर

आप गणित में माहिर हैं और आपकी एनालिटिकल स्किल भी अच्छी है, तो एक्चुरियल साइंस में किस्मत आजमा सकते हैं। इन दिनों रिस्क फैक्टर के कारण इंश्योरेंस, बैंक और फाइनेंशियल कंपनियों में एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की अच्छी डिमांड है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले वर्षों में बड़े पैमाने में इनकी जरूरत होगी।

❖ क्या करते है एक्चुरी प्रोफेशनल्स?

एक्चुरियल प्रोफेशनल्स बीमा के जोखिम और प्रीमियम की गणना कर भविष्य की घटनाओं का उसका वित्तीय रूप से आकलन करते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस और पेंशन इंडस्ट्रीज का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

कोर्स व योग्यता

एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेज में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टैटिस्टिक्स में 85 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है, जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स/स्टैटिस्टिक्स/ इकोनॉमेट्रिक्स विषय से स्नातक की डिग्री जरूरी है।

* बीए (इंश्योरेंस)(तीन वर्ष)
* बीएससी (एक्चुरियल साइंस)(तीन वर्ष)
* पीजी डिप्लोमा इन सर्टिफाइड रिस्क ऐंड इंश्योरेंस मैनेजमेंट (दो/तीन वर्ष)
* सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरमिडियरिज (intermediaries)(इंश्योरेंस विषय) (तीन माह)
* कोर्स ऑफ इंश्योरेंस एजेंट (100-150 घंटे)
* कोर्स ऑफ इंश्योरेंस मैनेजर (दो वर्ष)
* पीजी डिप्लोमा इन इंश्योरेंस साइंस (एक वर्ष)
* पीजी डिप्लोमा इन इंश्योरेंस ऐंड फाइनेंशियल सर्विस (15 माह)
* मास्टर इन इंश्योरेंस बिजनेस (दो वर्ष)
* एमएससी इन एक्चुरिअल साइंस (दो वर्ष)
* फाउंडेशन इन फाइनेंशियल प्लानिंग

❖ रोजगार की संभावनाएं

एक्चुरियल साइंस की डिग्री रखने वालों के लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंक और फाइनेंशियल कंपनियां इन्हें हाथों-हाथ ले रही हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की बहाली हो रही है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी

प्रोफेशनल्स की सैलॅरी भी आम बीपीओ कर्मचारियों की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वैसे, आज एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरीफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलॅपमेंट अथॉरिटी (आईआरडीए), सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी रोजगार के अवसर हैं। प्राइवेट कंपनियों में एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा और बिरला सनलाइफ जैसी कंपनियों में भी नौकरी की कोशिश की जा सकती है। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की मांग उन सभी सेक्टरों में होती है, जहां वित्तीय जोखिम की गुंजाइश होती है।

मनी फैक्टर

इस क्षेत्र में काम की शुरुआत करने वाले लोगों को अच्छी सैलॅरी पैकेज मिल जाता है। आपकी शुरु आती सैलॅरी 10 से 15 हजार रु पये के करीब होती है। यदि आपके पास इस क्षेत्र में कार्य करने का आठ से 10 साल का कार्य अनुभव है, तो सालाना सैलॅरी 50 लाख रुपये तक हो सकती है।

- अधिक जानकारी के लिए आप निम्न साइट्स पर विजिट कर सकते हैं...

www.iitb.ac.in डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमनिटीज ऐंड सोशल साइंस, आईआईटी, मुंबई
www.bhc.ac.in बिशप हार्बर कॉलेज, तिरुचिरापल्ली
www.icrimindia.org इंस्टीट्यूट ऑफ सर्टिफाइड रिस्क ऐंड इंश्योरेंस मैनेजर्स, हैदराबाद
www.du.ac.in कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
www.amu.ac.in अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
www.bimtech.ac.in बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
www.unipune.ernet.in यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
www.klyuniv.ac.in यूनिवर्सिटी ऑफ कल्याणी, पश्चिम बंगाल
www.amity.edu एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस ऐंड एक्चुरिअल साइंस, नोएडा
www.annamalaiuniversity.ac.in अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, अन्नामलाई नगर